एमएसओ

समाजशास्त्रमें स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

मूलपाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओ 001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत और संकल्पनाएं
एमएसओ 002 : शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमएसओ 003 : विकास का समाजशास्त्र
एमएसओ 004 : भारत में समाजशास्त्र

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ

सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-001, 002, 003, 004 / सत्रीय कार्य / टीएमए/2021–22

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2021 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2022**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2022 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2022**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्यकरते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फिर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम,
एमएसओ–001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं संकल्पनाएं
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रमकोड : एमएसओ
पाठ्यक्रमकोड : एमएसओ–001
सत्रीय कार्यकोड : एमएसओ–001/
सत्रीय कार्य/टीएमए /2021–22

कुलअंक : 100
अधिभार : 30%

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग में कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए। प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

भाग – I

1. सामाजिक संरचना को समझने में लेवी–स्ट्रॉस तथा ऐडमंड लीच के योगदान की चर्चा कीजिए। 20

2. समाजशास्त्रीय विश्लेषण में अवधारणा एवं सिद्धांत की भूमिकाओं को चित्रित कीजिए। 20

3. मार्क्स और वेबर की विचारधाराओं की विशिष्टता की जाँच कीजिए। 20

4. सत्ता क्या है? सत्ता के साधनों का वर्णन कीजिए। 20

5. उद्यमशीलता क्या है? उद्यमशीलता पर स्यूमपीटर के परिप्रेक्ष्य की चर्चा कीजिए। 20

भाग – II

6. आधुनिकता क्या है? आधुनिकता पर गिडेन्स की संकल्पना का विवरण दीजिए। 20

7. नागरिकता क्या है? विभिन्न प्रकार की नागरिकताओं पर चर्चा कीजिए। 20

8. प्रजातंत्र में नागरिक समाज की भूमिकाओं तथा कार्यों का वर्णन कीजिए। 20

9. उत्तर–संरचनावाद एवं उत्तर–आधुनिकतावाद में तुलना तथा अंतर कीजिए। 20

10. लैंगिक स्तरीकरण में जाति के आधारों का विवरण दीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एम.एस.ओ.–002: शोध कार्यपद्धतियाँ एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोडः एसएसओ–002
सत्रीय कार्य कोडः एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2021–22

अधिकतम अंकः 100
अधिमारिताः 30%

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिएः

1. अनुभववाद क्या है? डेविड ह्यूम के योगदान को ध्यान में रखते हुए चर्चा कीजिए। 25
2. संजाति वृत क्या है? यह सर्वेक्षण शोध से किस तरह से भिन्न है? 25
3. सामाजिक विज्ञान शोध में प्रयुक्त तुलनात्मक विधि की प्रकृति और विस्तार–क्षेत्र (scope) की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25
4. सामाजिक शोध संबंधी सहभागी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 25
5. सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध की ऐतिहासिक विधि का वर्णन कीजिए। 25

भाग–ख

निम्नलिखित विषयवस्तुओं में से किसी *एक* पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

1. महामारी की स्थिति में राज्य की भूमिका 50
2. समकालीन भारतीय समाज में युवाओं की भूमिका 50
3. भारत में ऑनलाइन शिक्षा का महत्व 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं। साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखिए।
प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन संग्रहित करने होंगे और चयनित विषयवस्तु पर अपनी रिपोर्ट तुलनात्मक ढाँचे में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- चयनित मुद्दे को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में एक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों की प्रस्तुति संसक्त रूप से करें और अंत में उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख करें।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम,
एमएसओ–003 : विकास का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–003
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2021-22

कुलअंक : 100
अधिभार : 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग में कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग –क

1. वृद्धि, विकास और आधुनिकीकरण शब्दों में अंतर स्पष्ट कीजिए। 20
2. आधुनिकीकरण के ऐतिहासिक अवस्था परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20
3. लिंग और विकास के बीच क्या सबंध है ? स्पष्ट कीजिए। 20
4. विकास के उदारवादी परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

भाग–ख

5. भारत में डिजिटल विभाजन के विस्तार का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20
6. भारत मे सूचना एवं संचार प्रौघोगिकी या आई सी टी क्रान्ति पर टिप्पणी लिखिए। 20
7. भूमंडलीकरण की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 20
8. व्यापार उदारीकरण के संबध में विकासशील देशों के मुद्धो का परीक्षण कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर
एमएसओ–004: भारत में समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड: एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड: एसएसओ–004
सत्रीय कार्य कोड: एमएसओ–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2021–2022

अधिकतम अंक: 100
अधिमारिता: 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में अवश्य दीजिए।

<u>भाग – I</u>

1. भारत में आजादी से पहले पश्चिमी विचारकों द्वारा भारतीय समाज एवं संस्कृति के अध्ययन संबंधी तीन दृष्टिकोणों की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

2. भारत में समाजशास्त्र की प्रारंभता का वर्णन एक विषय–क्षेत्र के रूप में कीजिए। 20

3. 1950–60 के दशक में भारतीय समाजशास्त्रियों का मुख्य केंद्रबिंदु विलेज इंडिया था। आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

4. शिक्षा एवं नगरीकरण के फलस्वरूप, भारत में विवाहों की प्रकृति और पैटर्न बदल गया है? आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

5. ग्रामीण भारत की कृषीय वर्ग संरचना का वर्णन कीजिए। 20

<u>भाग – II</u>

6. "सामान्य संपदा संसाधनों" से आप क्या समझते हैं? भारतीय ग्रामों को ध्यान में रखकर चर्चा कीजिए। 20

7. स्वतंत्रता–संघर्ष के दौरान भारत की जनजातीय आबादी द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका क्या थी? चर्चा कीजिए। 20

8. सामाजिक विभेदन क्या है और भारत की जनजातियों में सामाजिक विभेदन कैसे पनपता है? 20

9. प्रवसन क्या है? क्या आप भारत में विद्यमान प्रवसन के कुछ पैटर्नों की पहचान कर सकते हैं? चर्चा कीजिए। 20

10. प्राचीन सामाजिक आंदोलन और नव सामाजिक आंदोलन में अंतर स्पष्ट कीजिए। 20